



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 109]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 1979/फाल्गुन 18, 1900

No. 109]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 1979/PHALGUNA 18, 1900

इस भाग में मिला पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1979

का० प्रा० 129(अ) :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि 15 नवम्बर, 1978 को उत्तर प्रदेश राज्य के गोंडा जिले में बबनान स्थित चीनी का विनिर्माण करने वाली सेक्सरिया शुगर मिल्स लिमिटेड (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् उक्त चीनी उपक्रम कहा गया है), 15 नवम्बर, 1978 तक चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करने में असफल रही है और उस के पास, 15 नवम्बर, 1978 के पूर्व कय किए गए गन्ने के सम्बन्ध में, गन्ना संबंधी देय, चीनी वर्ष 1977-78 के दौरान उक्त चीनी उपक्रम के प्रयोजनों के लिए इस प्रकार कय किए गए गन्ने की कुल कीमत के दस प्रतिशत से अधिक तक बकाया है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त चीनी उपक्रम के माला को चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन 18 नवम्बर, 1978 की सूचना संख्या सीनी/120/78-79 जारी की थी जिसमें उससे यह कहा गया था कि उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से मान दित के भीतर उन परिस्थितियों को लिखित रूप में बताएँ, जिनके कारण उक्त चीनी उपक्रम, 15 नवम्बर, 1978 को या उसके पूर्व चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करने में तथा उक्त चीनी उपक्रम गन्ना सम्बन्धी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में असफल रहा है और हम बाबत कारण दर्शित करें कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा क्यों न ग्रहण कर लिया जाए;

और केन्द्रीय सरकार का, उक्त चीनी उपक्रम की ओर से मुख्य महाप्रबन्धक, सेक्सरिया शुगर मिल्स लिमिटेड, डा० ध० बबनान, जिला

गोंडा, उत्तर प्रदेश द्वारा भेजी गई तारीख 25-11-78 की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, उन परिस्थितियों को बाबत जिनके कारण गन्ना सम्बन्धी देय वसू प्रतिशत से अधिक तक बकाया रह गया है और गन्ना सम्बन्धी देय के उक्त बकाया को चुकता करने में उक्त चीनी उपक्रम की असमर्थता की बाबत, समाधान नहीं हुआ है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध, 13 मार्च, 1979 को और इससे प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए, केन्द्रीय सरकार में निहित होगा।

[सं० एम.यू.जी/120/1978-79]

सी० एन० रायचन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 9th March, 1979

S.O. 129(E).—Whereas the Central Government being satisfied that as on the 15th day of November, 1978, the Saksaria Sugar Mills Ltd., (hereinafter in this Order referred to as the said sugar undertaking) manufacturing sugar at Babbnan in the District of Gonda in the State of Uttar Pradesh has failed to commence manufacture of sugar by the 15th day of November, 1978 and has, in relation to the cane purchased before the 15th day of November, 1978, arrears of cane dues to the extent of more than ten per

cent of the total price of the cane so purchased for the purposes of the said sugar undertaking during the 1977-78 sugar year ;

And whereas, the Central Government on the 18th day of November, 1978 issued Notice No. SUG/120/78-79 under sub-section (1) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978) to the owner of the said sugar undertaking calling upon him to report in writing within seven days from the date of receipt of the said notice the circumstances under which the said sugar undertaking has failed to commence the manufacture of sugar on or before the 15th day of November, 1978, and the said sugar undertaking has failed to clear the said arrears of cane dues, and to show cause as to why the management of the said sugar undertaking should not be taken over by the Central Government ;

And whereas, the Central Government having considered the report dated the 25th November, 1978 sent by the Chief

General Manager the Seksaria Sugar Mills Ltd., P.O. Babhnan, District Gonda, Uttar Pradesh, on behalf of the said sugar undertaking is not satisfied with the circumstances for having the arrears of cane dues in excess of ten per cent and with the inability of the said sugar undertaking to clear the said arrears of cane dues ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (No. 49 of 1978), the Central Government hereby declares that the management of the said sugar undertaking shall vest in the Central Government for a period of three years commencing on and from the 13th day of March, 1979.

[No. SUG/120/1978-79]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.